दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र

श्री महावीरजी

त्रैमासिक पत्रिका

• www.shrimahaveerji.com • online booking: www.mahaveerji.org

वर्ष-3 (अंक: 2-3) त्रैमासिक जून 2013 से नवम्बर 2013 | अहिंसा परमो धर्म: | वीर निर्वाण सम्वत् 2539-2540 | नवप्रगति अंक

सम्पादकीय...

श्री महावीरजी त्रैमासिक पत्रिका का वर्ष तीन का संयुक्त अंक (2-3) (जून से नवम्बर) प्रकाशित करते हुए हर्ष है। इससे पहले के सभी अंक जनोपयोगी सिद्ध हए हैं। श्रीमहावीरजी की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणादायी रही। बहुत से लोगों को पहली बार ज्ञात हुआ कि श्री महावीरजी में क्या-क्या उत्तम कार्य हुए हैं। निश्चय ही दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी की प्रबन्धकारिणी कमेटी ने त्रैमासिक पत्रिका प्रकाशित करने का निर्णय कर एक नये अध्याय का प्रारंभ किया है।

हम सभी जानते हैं कि किसी संस्था में हुए कार्यों की पारदर्शिता व सूचना के आधार से ही संबंधित जनता उस संस्था के बारे में अपना मूल्यात्मक निर्णय प्रस्तुत करती है। कार्यकर्ताओं की सक्रियता का ज्ञान भी उसी से होता है। संस्था की पारदर्शिता भी बनी रहती है।

प्रस्तुत अंक में कई महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ शामिल हैं। अतिथिगृह का लोकार्पण, आयुष्मान केन्द्र की स्थापना का निर्णय, अस्पताल में डॉक्टर के कार्यकाल में वृद्धि, औषधालय व प्राकृतिक चिकित्सालय की उपयोगिता, अपभ्रंश साहित्य अकादमी का प्रकाशन, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय में प्राकृत-अपभ्रंश में डिप्लोमा में अकादमी की भूमिका आदि उपलब्धियों की सूचना जनता में पहुंचने पर वे श्री महावीरजी के गौरव का दिग्दर्शन करायेगी।

यहाँ यह लिखना अप्रासंगिक नहीं है कि प्रस्तुत अंक के मैटर का एकत्रीकरण अध्यक्ष के सहयोग बिना संभव नहीं था। उनकी सूझ-बूझ, कार्य संपादन शैली व प्रेरणादायी उत्साह हमारे लिए मार्गदर्शक रहा। सम्पादक मण्डल उनके प्रति अपनी हृदयस्पर्शी कृतज्ञता व्यक्त करता है। सच तो यह है उनकी पहल के बिना त्रैमासिक पत्रिका के अंक का प्रकाशन संभव नहीं था।

- सम्पादक मण्डल

श्री महावीर जी में हुये नियमित कार्यों के अतिरिक्त कुछ प्रमुख उपलब्धियाँ -

1. दातार व महानुभावों द्वारा भेंट -

- विभिन्न धर्मशालाओं के लिए 3 वाटर कूलर क्रमश: श्री निर्मल जी जैन सुधा जी जैन कोटा (राजस्थान) दिनांक 14.6.2013 को, स्व. लाला ओमप्रकाश जी जैन धर्मपत्नी श्रीमती शकुन्तला देवी जैन, दिल्ली की ओर से दिनांक 20.5.2013 एवं श्री दीपक जी जैन, प्रीतमपुरा दिल्ली की तरफ से दिनांक 25.6.2013 को भेंट किये गये।
- पाण्डुशिला (चांदी का एक नग 1713 ग्राम) श्रीमती सुशीला देवी बाबूलाल जी जैन, सूरत (गुजरात) की तरफ से दिनांक 15.8.2013 को भेंट किया गया।
- श्री नरेशकुमार जी जैन, दिल्ली द्वारा 140 नग व श्रीमती माया देवी सिंघानिया, कानपुर द्वारा 100 नग दीवार घड़ी भेंटस्वरूप प्रदान की गई।
- श्री नाथूलाल जी सामरिया, इन्दौर द्वारा प्रक्षाल करने हेतु 430 नग धोती-दुपट्टे भेंट स्वरूप प्रदान किये गये।

2. चिकित्सा सुविधा :-

- श्रीमती चन्द्रावली सिद्धोमल जैन अस्पताल एवं प्रसूतिगृह श्री महावीरजी में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त डॉ. हर्ष का राज्य सरकार ने कार्यकाल 2 वर्ष के लिए 5 सितम्बर, 2015 तक बढ़ा दिया है। एतदर्थ राज्य सरकार को साधुवाद।
- डॉ. हर्ष व उनके सहयोगियों ने अब तक करीब 14 माह में, 520 डिलीवरी, 9562 ओ.पी.डी. व 1160 आई.पी.डी. मरीजों को देखा, जो उल्लेखनीय सेवा है।
- अस्पताल में राज्य सरकार की योजना जैसे - नि:शुल्क दवाई वितरण एवं जननी सुरक्षा योजना लागू करवाने का प्रयास किया जा रहा है।
- श्री महावीरजी स्थित योग-प्राकृतिक चिकित्सालय में कार्यरत चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. जीवनलाल गांधी व उनके सहयोगियों की देखरेख में माह अप्रेल से अक्टूबर, 2013 तक करीब 628 मरीजों ने भर्ती होकर इलाज प्राप्त किया।
- श्री महावीरजी स्थित आयुर्वेदिक औषधालय में प्रभारी वैद कृष्ण कुमार शर्मा व उनके सहयोगियों द्वारा माह मार्च, 2011 से माह नवम्बर, 2013 तक 32 माह में करीब एक लाख बारह हजार आठ सौ इकहत्तर मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ लिया जो रिकॉर्ड है।

3. नव निर्माण/जीर्णोद्धार मरम्मत कार्य :-

- श्री महावीरजी में स्थित जैन कला एवं संस्कृति संग्रहालय म्यूजियम व कटले के दक्षिण में खम्भों का मरम्मत कार्य प्रगति पर है। फरवरी 2011 से नवम्बर 2013 तक 8044 दर्शकों ने म्यूजियम का अवलोकन किया।
- वातानुकूलित धर्मशाला में प्रथम मंजिल के बाद दूसरी मंजिल का कार्य पुन: प्रगति पर है।
- आचार्य श्री चैत्यसागर जी महाराज ससंघ द्वारा प्राप्त भेंटस्वरूप राशि के सहयोग से कटला परिसर स्थित त्यागी भवन की मरम्मत का कार्य व लोहे का जाल लगाया गया है।

4. साहित्य गतिविधियाँ :-

- **अपभ्रंश साहित्य अकादमी** द्वारा प्रवचन सार : ज्ञान अधिकार खण्ड-1 का प्रकाशन किया गया। 'अपभ्रंश भारती' पत्रिका प्रकाशन प्रक्रिया में है।
- वधर्मान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा प्राकृत एवं अपभ्रंश डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रकाशन में अन्य विद्वानों के साथ अकादमी के विद्वानों का परिश्रम व योगदान सराहनीय रहा है। अब अकादमी प्राकृत व अपभ्रंश के एम.ए. पाठ्यक्रम के लिए प्रयासरत भी है।

- बेल्जियम यूरोप के विद्यार्थी श्री सेन्डर हेन्स 24 सितम्बर से अपभ्रंश साहित्य अकादमी में प्राकृत–अपभ्रंश व पाण्डुलपि पठन तथा पाण्डुलिपि संपादन विधि व जैन साहित्य इतिहास का अध्ययन कर रहा है।
- स्लोवेनिया यूरोप की छात्रा डॉ. आना अपभ्रंश साहित्य एकेडमी में प्राकृत का अध्ययन तथा प्राकृत–अपभ्रंश पाण्डुलिपी पठन का शिक्षण प्राप्त कर रही है।
- राष्ट्रसंत मुनि तरुणसागर जी महाराज द्वारा जैन विद्या संस्थान, अपभ्रंश साहित्य अकादमी एवं श्री महावीर दिगम्बर जैन पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र का अवलोकन किया गया।
- राष्ट्रसंत मुनि तरुणसागर जी का दिगम्बर जैन नसियां भट्टारकजी, जयपुर में मंगल प्रवेश 15.7.2013 व मंगल विहार 5.9.2013 को हुआ।
- राज्य सरकार द्वारा रियायती दर पर मालवीय नगर सांस्थानिक क्षेत्र, जयपुर में 'अपभ्रंश साहित्य अकादमी व पुस्तकालय' के लिए आवंटित जमीन का पट्टा लेने के बाद दिनांक 4 जनवरी, 2013 को रजिस्ट्री कराई। राजकीय प्रक्रिया अनुसार निर्माण के लिए नक्शा पास कराने का प्रयास जारी है।

7. श्री महावीरजी में वरिष्ठ नागरिक बंधुओं के लिए 'महावीर आयुष्मान केन्द्र' की स्थापना करने का निर्णय लिया गया।

- श्री महावीरजी में महावीर निर्वाण दिवस दिनांक 3 नवम्बर, 2013 को आयोजित किया गया।
- झण्डारोहण का श्री चांदमल जी कोलकाता, प्रथम कलश का श्री इन्द्ररकुमार जी लखनऊ व श्रीजी की माला बोली का श्री विजयकुमार जी कासलीवाल, कोलकाता को सौभाग्य प्राप्त हुआ।

महावीर जी क्षेत्र बतौर प्रबन्धकर्ता

- दिगम्बर जैन मन्दिर श्री नेमिनाथ जी (सांवला जी) आमेर ट्रस्ट के तत्वावधान में – चन्द्रप्रभु भगवान के मंदिर का जीर्णोद्धार प्रगति पर है।

दिगम्बर जैन नसियां भट्टारक जी में –

- अतिथि गृह का भूमि पूजन समारोह दिनांक 15 अक्टूबर, 2011 को सम्पन्न हुआ।
- राष्ट्रसंत मुनि श्री तरुणसागर जी महाराज के सान्निध्य में एवं मंगल आशीर्वाद से श्रीमती ललितादेवी रामचन्द्र कासलीवाल अतिथि गृह तथा भोजनशाला का श्रद्धेय डॉ. डी. वीरेन्द्र हेगड़े, धर्मस्थला, कर्नाटक द्वारा दिनांक 26 अक्टूबर, 2013 को लोकार्पण अभूतपूर्व रूप से सम्पन्न हुआ।

मुनि श्री को नमन करते हुए

डॉ. वीरेन्द्र हेगड़े का स्वागत करते हुए ।

अतिथि गृह के लोकार्पण समारोह में उपस्थित जन समूह

राष्ट्रसंत मुनि तरुणसागर जी महाराज का मंगल विहार

भूमि पूजन समारोह

न्यायमूर्ति एन.एम. कासलीवाल, श्री सुभद्रकुमार पाटनी स्व. श्री तेजकरण जी डंडिया, अध्यक्ष न्यायमूर्ति एन.के. जैन व मानद मंत्री पी.सी. जैन ।

भूमि पूजन समारोह में सुधांशु कासलीवाल परिवारजन एवं कमेटी के सदस्य गण के साथ पूजन करते हुए ।

श्री आर.के. जैन, पूर्व अध्यक्ष, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी की जगह नये अध्यक्ष श्री सुधीर जैन, प्रबन्धकारिणी कमेटी श्री महावीरजी, बहेसियत पदेन सदस्य मनोनीत हुए है।

श्री सुधीर जैन, कटनी

Comments & Messages - by e-mail received in all about 1107. : appreciating Management about online booking facilities.
One of the best Jain Pilgrim Center.
Apbhransh Sahitya : http://apa.jainapa.com

लोकार्पण समारोह स्वागत भाषण सार-संक्षेप : जस्टिस एन.के. जैन, अध्यक्ष

क्रान्तिकारी राष्ट्रसंत परम पूज्य मुनिवर श्री तरुणसागर जी महाराज को सादर नमोऽस्तु। मंचासीन मुख्य अतिथि व लोकार्पणकर्ता धर्माधिकारी, परम श्रद्धेय डॉ. डी. वीरेन्द्र हैगड़े साहब, महंत प्रवर गलता जी तीर्थ, महंत श्री गोविन्ददेव जी मन्दिर, उपस्थित प्रबुद्ध महानुभावों, माताओं, बहनों व भाइयों।

सज्जनों ! जयपुर के जैन समाज के लिए हर्ष का विषय है कि राष्ट्रसंत मुनिवर श्री तरूणसागर जी महाराज गुलाबीनगर, जयपुर में चातुर्मास कर रहे हैं व नसियाँ परिसर में विराजमान हैं। आप अपने सटीक, ओजस्वी व कड़वे प्रवचनों के लिए विश्व विख्यात हैं। पूरे जैन समाज को मुनि श्री के सान्निध्य व साहचर्य के साथ अनुभूत उपदेशों को आत्मसात् करने का कल्याणकारी दिशा-निर्देश मिल पाया है।

वस्तुत: यह अतीत शुभ संयोग बना है कि यहां नसियाँ भट्टारकजी में **'अतिथिगृह'** का लोकार्पण मुनि श्री के सान्निध्य में उनके मंगल आशीर्वाद से सम्पन्न हो रहा है।

मान्यवर ! हमारे लिए यह अति गौरवपूर्ण हर्ष के क्षण हैं कि इस नवनिर्मित वातानुकूलित, सुसज्जित **'श्रीमती ललितादेवी रामचन्द्र कासलीवाल अतिथि गृह एवं भोजनशाला'** के लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में धर्माधिकारी परम श्रद्धेय डॉ. डी. वीरेन्द्र हैगड़े साहब (धर्मस्थला, कर्नाटक) हमारे आमंत्रण पर पधारे हैं, विराज रहे हैं और उक्त भवन के विधिवत् लोकार्पण के लिए अपनी महत्ती स्वीकृति व सहमति प्रदान कर हमें अनुगृहीत किया है।

आदरणीय डॉ. हैगड़े साहब दूरदर्शी, निर्णयों को इम्पलीमेंट करने की कला के धनी, एक समर्पित सेवाभावी, संवेदनशील, मानवीय मूल्यों से ओत-प्रोत विभूति हैं। तीन वर्ष के कर्नाटक प्रवास में मुझे धर्माधिकारी माननीय हैगड़े साहब ने 'लार्ड मंजूनाथ स्वामी मंदिर' परिसर में अपने साथ 2-3 बार बैठाकर न्याय करने की प्रक्रिया को देखने का मौका दिया, उनका हर फैसला दोनों पार्टियों को मान्य होता रहा है। यह सदा-सर्वदा स्मरण रहेगा।

इस मौके पर मैं यह बताना चाहूँगा कि केवल कर्नाटक ही नहीं, अपितु पूरे भारत में आपने एक एवरेस्ट जैसी पहचान स्थापित की है। आपकी संस्थाओं को व आपको कई अवार्डों से सुशोभित किया जा चुका है। कई Universities ने आपको डॉक्टरेट की उपाधि दी हैं। आप **'पद्मभूषण'** से अलंकृत हैं। कॉमन मैन आपको मसीहा के रूप में देखते हैं। आपका नाम विश्व-विभूतियों में शामिल है। आपका हार्दिक अभिनन्दन व स्वागत कर मैं अभिभूत हूँ।

नसियां भट्टारक जी परिसर भी जयपुर महानगर के पुरातन इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान लिए हुए है।

महाराज सवाई जयसिंह ने यह नसियाँ -परिसर भेंट-स्वरूप भट्टारक श्री महेन्द्रकीर्ति जी को सन् 1727 में प्रदान की थी। यहाँ का मंदिर सन् 1751 में बनकर तैयार हुआ। भट्टारकजी की यह मशहूर नसियां, 'दिगम्बर जैन मंदिर नेमिनाथ जी (सांवला जी), आमेर प्रन्यास' के अन्तर्गत है।

समाज के श्रेष्ठी बंधुओं के प्रयत्नों से यहां नसियां भट्टारकजी मंदिर-परिसर में भी कार्य हुए हैं। पूर्व अध्यक्षों सर्वश्री मुंशी प्यारेलाल जी कासलीवाल, श्री मालीलाल जी कासलीवाल, डॉ. श्री राजमल जी कासलीवाल, श्री मोहनलाल जी काला, श्री ज्ञानचन्द जी खिन्दूका, श्री नरेशकुमार जी सेठी, संयोजक, श्री भंवरलाल जी अजमेरा व अन्य सदस्यों के प्रयास से समाज के श्रेष्ठी बंधुओं ने अपनी परोपकारी भावना, दानशीलता का परिचय देतु हुए जैन भवन, चम्पादेवी गंगवाल कक्ष, जैन विद्या संस्थान/अपभ्रंश साहित्य अकादमी भवन, पाण्डुलिपि लैब, इन्द्रामणि काला भवन, तोतूका सभा भवन, श्रीमती शांतिदेवी ताराचन्द बड़जात्या कान्फ्रेंस हॉल, इन्द्रलोक ऑडिटोरियम, कुन्दकुन्द हाल, श्री महावीरजी क्षेत्र के मंत्री कार्यालय आदि का भव्य निर्माण करवाया। अब पिछले करीब 32 माह में नसियां परिसर के विकास में कई दान-दातार महानुभावों के सहयोग से मंदिरजी व छत्रियों का जीर्णोद्धार, मूलवेदी व गुम्बजों पर सोने व चांदी का कार्य, किवाड़ जोड़ियां लगवाने का कार्य, जैन विद्या संस्थान, अपभ्रंश साहित्य अकादमी में रिनोवेशन का कार्य, जैन भवन में डोम का कार्य व अन्य कार्य करवाया गया है। मैं उन सभी दान-दातार महानुभावों के प्रति हृदय से इस अवसर पर एक बार पुन: आभार प्रकट करता हूँ। भाई श्री राजकुमार जी काला इसके संयोजक हैं। वे अपने साथियों के साथ सेवा प्रदान कर रहे हैं।

इसी कड़ी में श्रीमती ऋतु व श्री सुधांशु कासलीवाल ने अपनी धर्मपरायण, स्नेहमयी व पायस माता **स्व. श्रीमती ललितादेवी एवं अपने पिता स्व. श्री रामचन्द्र जी कासलीवाल साहब की पावन स्मृति** को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए इस **'अतिथि गृह'** के निर्माण का अद्वितीय परोपकारी व प्रेरणादायक कार्य कर अपने लिए **'वरदी फादर का वरदी सन'** होने का गौरव प्राप्त किया। वस्तुत: स्व. श्री रामचन्द्र जी कासलीवाल परिवार के सभी उदारमना परिवारजन साधुवाद के पात्र हैं। श्री रवि व बिल्डर श्री सुनील जी व उनके सहयोगियों ने समर्पितता से इस सुन्दर अतिथि गृह का निर्माण मात्र 18 माह में पूर्ण कर बड़ा सराहनीय कार्य कर दिखाया है।

आप सभी महानुभावों ने अपने व्यस्त समय में से समय निकालकर आज के लोकार्पण समारोह में की जो शोभा बढ़ाई है, उसके लिए मैं, प्रबन्धकारिणी कमेटी, कासलीवाल परिवार व अपनी ओर से सभी का पुन: पुन: हार्दिक अभिनन्दन व परम आभार प्रकट करता हूँ।

अंत में, मैं पुन: हृदय से राष्ट्रसंत मुनिवर श्री तरुण सागर जी महाराज के चरणों में वंदन और नमन् करता हूँ। महंत श्री गलता तीर्थ क्षेत्र व महंत श्री गोविन्ददेव जी मंदिर को भी नमन् करता हूँ। हमारे मुख्य अतिथि श्रद्धेय आदरणीय डा. डी. वीरेन्द्र हैगड़े साहब के कृपालु आगमन के लिए आभार प्रकट करता हुआ माननीय न्यायाधीशगण, डॉक्टर्स, विद्वतजन व सभी आगन्तुक महानुभावों के प्रति साधुवाद अर्पित करता हूँ।

धन्यवाद, जय महावीर ।

लोकार्पण समारोह की झलकियाँ 26 अक्टूबर, 2013

मुनि श्री तरूण सागर जी महाराज से आशीर्वाद लेते हुए श्री सुधांशु कासलीवाल

वातानुकूलित अतिथिगृह व भोजनशाला

श्रद्धेय डॉ. डी. वीरेन्द्र हेगड़े
स्व. श्री रामचन्द्र जी श्रीमती ललितादेवी कासलीवाल जी मूर्ति का अनावरण करते हुए ।

अतिथिगृह का उद्घाटन करते हुए श्रद्धेय डॉ. डी. वीरेन्द्र हेगड़े

अध्यक्ष न्यायमूर्ति एन.के. जैन सम्मानीय अतिथियों का स्वागत करते हुए ।

डॉ. वीरेन्द्र हेगड़े को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए सर्व श्री जस्टिस एन.के. जैन, सुधांशु कासलीवाल, आर.के. काला, एन.के. सेठी

लोकार्पण समारोह के अवसर पर उपस्थित अतिथि गण

मैनेजर कार्यालय :
दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी
श्री महावीरजी (जिला करौली) राजस्थान -322220
दूरभाष : 07469-224323, 224339
www. shrimahaveerji.com
Online Room Booking : www.mahaveerji.org
e-mail: mahaveerjitrust@gmail.com

मंत्री कार्यालय :
दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी
कुन्दकुन्द भवन परिसर, दिगम्बर जैन नसियाँ, भट्टारकजी
सवाई रामसिंह रोड, जयपुर-302004
दूरभाष : 0141-2385783, 2385784

सम्पादक मण्डल : डॉ. कमलचन्द सोगाणी, प्रो. अनिल जैन, डॉ. प्रेमचन्द रावका, के लिए राजू ग्राफिक आर्ट, अजमेरी गेट, जयपुर से मुद्रित ।
प्रकाशक : प्रबन्धकारिणी कमेटी, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी, जयपुर (राजस्थान)